ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिन' पर स्नेहगोष्टी का आयोजन

आंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं द्वारा संचालित एकमात्र 'ब्रह्माकुमारीज' संस्था ने 'महिला सशक्तिकरण' का दिया संदेश

सुख-शांति भवन (अहमदाबाद):- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी इश्वरीय विश्व विधालय के अहमदाबाद कांकरीया स्थित गुजरात के मुख्यालय में आज दिनांक 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिन मनाया गया। ८ मार्च के आंतर राष्ट्रीय महिला दिन पर राजयोगा एज्युकेशन और रीसर्च फाउन्डेशन की 'महिला प्रभाग' द्वारा 'नारी शक्ति' विषय पर स्नेहगोष्ट्री का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्ग जैसे की आध्यात्मिक, सोशियल, पोलीटीकल, आर्ट और कलचरल, एज्युकेशन, मेडीकल, मीडीया, महिला, लेखिका के प्रतिनिधित्व करते हुए ८मार्च को अष्ट भूजा धारी माता जगतअंबा समान अपने-अपने क्षेत्र की ८ विशिष्ट प्रतिभा संपन्न महिलाओंने हिस्सा लिया। स्नेहगोष्ट्री में बडी संख्या (150) में महेमान और महिलाओं के साथ साथ भाईओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज गुजरात के क्षेत्रिय निर्देशिका राजयोगिनी सरलादीदीजी के साथ-साथ, अहमदाबाद म्युनीसीपल कॉरपोरेशन के कांकरीया वोर्ड के कॉरपोरेटर श्रीमती निशा बहन जहा, स्वयम् सिध्धा फाउन्डेशन के प्रमुख श्रीमती वनिता बहन व्यास, कथक ड्रान्स अकादमी के डायरेक्टर श्रीमती शिल्पा बहन शाह, स्वामी नारायण आर्टस् कॉलेज के प्रिन्सीपाल श्रीमती कामिनी बहन राव, आँखों के सर्जन डॉ. दर्पणा बहन शाह, अखिल हिन्द महिला परिषद के प्रमुख कुमारी शिवानी महेता, आकाशवाणी के उद्घोशक एवम् समाचार वाचक श्रीमती हीना बहन मोदी, लेखिका और समाज सेविका श्रीमती वीणा बहन शेठ ने मंगल दीप जला कर समग्र विश्व गौरांवित इतिहास की महिलाओं के प्रति आदर सन्मान और शुभभावनाओं के वायब्रेशन दिये ।

इस अवसर पर प्रांसगीक प्रवचन में ब्र. कु. नंदा बहन ने कहा कि - नारी उन्नत समाज की आधार शीला है। आदी काल से अब तक नारी का उँचा स्थान रहा है, आज हम महीला सशक्तिकरण की बात कर रहे है किन्तु वैदिक काल में वो शक्ति नारी में थी। नारी पूर्ण शक्ति स्वरुप में थी जीस देवीओं की आज भी हम पूजा करते है, देवीयों को आज भी मानते है। किन्तु काल चक्र जैसे जैसे धुमता गया, नारी अपनी वह शक्तियों को खोती गई, वो Quality को खोती गई। नारी अब तो जागृत्त हो गई है, अपनी शक्तियों को पहेचाना शरु कर दिया है। वो कुछ भी कर सकती है। महात्मा गांधी ने भी कहा है कि नारी त्याग की मूर्ति है, हमेंशा उन्होंने कस्तुरबा को बा कह कर संबोधन किया है। नारी पहाडों को भी हीला सकती है। आज की सफल नारीयाँ और भूतकालीन नारी के नाम देखे तो **एक गुणों का गुलदस्ता ही है। यह महिला दिवस अपने अंदर छीपे हुये मुल्यों को बहार नीकालने के लिये है, सिर्फ १ दिवस मनाने से हमें यह याद दिलाता है कि हम नारी कहाँ तक पहुँची हुई है। जब हम अपनी आंतरीक शक्तियों को बहार जगायेगी, एक दिप अंदर जगा जग जायेगा तो सारा विश्व रोशन हो जायेगा, नारी एक प्रचंड शक्ति है - दुनिया की कोई भी शक्ति उसे झुका न पायेगी।**

अहमदाबाद म्युनीसीपल कॉरपोरेशन के कांकरीया वोर्ड के कॉरपोरेटर श्रीमती निशा बहन जहा ने अपने विचार बताते हुये कहा कि - समाज में नारी की अनेक भूमीकायें है। नारी को जीतना उंचा स्थान दीया जाये उतना कम है, नारी ने अपने अधिकारो को पहेचान लीया है। नारी आज हर क्षेत्र में महिलायें आगे जा रही है सिर्फ भारत में ही नही आज विश्व

स्तर पर हर पद में वो कार्य कर रही है। हमें सच में उसकी कदर करना चाहिये। महिला को सशक्त करने के लिये अपने घर से शुरुआत करनी चाहिये, आदर देना, खुशी और सेहत का ख्याल रखना। जैसा बीज बोयेगें वैसी ही फसल नीकलती है। महिलाओं को सशक्त करने से पहेले हमें अपनी मानसीकता को सशक्त करना होगा।

स्वयम् सिध्धा फाउन्डेशन के प्रमुख श्रीमती वनिता बहन व्यास ने कहा कि, आज नारी का जो रुप है वो वास्तव में काफी परिवर्तन हो चुका है किन्तु हमें अपने वास्तविकता को पहचान कर अपनी आंतरीक शक्तिओं को उजागर करना ही सच्चे अर्थ में महिला दिवस मनाना होगा। कथक ड्रान्स अकादमी के डायरेक्टर श्रीमती शिल्पा बहन शाह ने बताया कि, नारी के अनेक रुप है। वो एक माँ, बहन, बेटी, पत्नि, भाभी, चाची, मामी, बुआ बन सकती है तो वो एक देवी भी है। जहाँ देवो को याद किया जाता है वहाँ सर्व प्रथम देवीओं का नाम लिया जाता है जैसे कि - सीताराम, राधेकृष्ण, लक्ष्मीनारायण। अर्थात् हर सफल पुरुष के पीछे एक स्त्री का हाथ ही है।

स्वामी नारायण आर्टस् कॉलेज के प्रिन्सीपाल श्रीमती कामिनी बहन राव ने अपने शब्दों को इस प्रकार रखा कि- यत्र नारीयेस्तु पुजयते, तत्र रमंते देवता। जीस हाथ से बच्चों को परवरीश होती है वही हाथो से कई महान कार्य नारीओं ने किया है। आज की नारी अबला नही किन्तु सबला है। आज महिलओं ने कोई भी क्षेत्र बाकी नहीं रखा है जहाँ वो न पहुंची हो। चाहे वो खेल का क्षेत्र हो या आकाश की उचाईयाँ सर करनी हो, विज्ञान का क्षेत्र, रीसर्च का विभाग, शिक्षा का क्षेत्र, समाजसेवा, राजकिय क्षेत्र, कलाजगत, फिल्मजगत, मीडीयाजगत, मेडिकल फिल्ड, एंजीनीयरींग का क्षेत्र आज हर क्षेत्र को सर कर लिया है। इस प्रकार सदैव आगे-आगे तरक्की करती ही रहे और आने वाली नई पीढीयाँ भी इससे प्रेरणायें ले। अखिल हिन्द महिला परिषद के प्रमुख कुमारी शिवानी महेता ने बताया कि, आज एक नारी ने हिंमत कर के अपने साथ हुए अन्याय को विश्व के आगे रख कर सारे विश्व की नारीयों में हिंमत भर दी है। ऐसी नारीयाँ वंदनीय है।

अहमदाबाद आकाशवाणी के उद्घोशक एवम् समाचार वाचक श्रीमती हीना बहन मोदीने कहा कि, नारी का स्थान शुरु से ही वंदनीय, पूजनीय, माननीय रहा है। महिलाओं ने जो कार्य हाथ में थाम लिया है उससे समाज को एक नई दिशा एक नई सोच मीली है। समाज के विकास में नारीयों की अहम् भूमीका रही है। आज की नारी आने वाले समय के लिए एक नया इतिहास बना सके इतनी शक्तिशाली है केवल उसमें मूल्य और आध्यात्मिका का एक और पंख लग जाये तो सुनहरा भविष्य बना सकती है। लेखिका और समाज सेविका श्रीमती वीणा बहन शेठ ने अपने विचार बताये कि, एक पुरुष धन के लिए माँ लक्ष्मी के पास जाता है, शक्ति के लिए माँ दुर्गा के पास जाता है, विधा के लिए माँ सरस्वती की आराधना करता है। तो देवीयाँ शुरु से ही देवो के साथ ही निवास करती आई है, इसलिए शिवशक्ति गाया जाता है।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज गुजरात के क्षेत्रिय निर्देशिका राजयोगिनी सरला दीदीजी ने आशिवर्चन देते हुए कहा कि, आज का दिन परमात्मा का आभारदर्शन करने का दिन है कि वो आज की नारी को लक्ष्मी समान बनाने स्वयंम् अवतरीत हुए है। स्वयंम् परमपिता परमात्मा ने विश्व नवनिर्माण का भगीरथ कार्य बहनों के शीर पर रखा है। परमात्माने नारी को अबला नही किन्तु शक्तिस्वरुपा देवीओं के समान जीवन बनाने की राह दिखाई है। आज हम सभी नारीयाँ एक संकल्प करे की समय प्रति समय हम सब मील कर इस इश्वरीय कार्य को आगे बढायें।

आज के दिन पर साथ-साथ में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरला दीदीजी का भी ७८ वा जन्मदिवस भी मनाया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरला दीदीजी की आध्यात्मिक सेवाओं को ध्यान में लेते सभी आमंत्रित महिला महेमानो ने विभिन्न विधि से श्रृंगारीत कर सन्मानीत किया। केक काट कर सभी का मुख मीठा कराया गया, सभी महेमानों को इश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट किये। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभारी ब्रह्माकुमारी नंदिनी बहन ने किया।